

## नए साल से स्कूलों में भाषा और गणतीय कौशल के लिये चलेगा अभियान

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग ने बताया कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बुनियादी शिक्षा और गणति की विशेष पढ़ाई के लिये नए वर्ष से अभियान चलाया जाएगा। सौ दिनों तक चलने वाले इस अभियान में कक्षा आठवीं तक के बच्चों को दक्ष बनाया जाएगा।

### प्रमुख बिंदु

- शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सभी जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य डाईट, जिला मशिन समन्वयक समग्र शिक्षा को इस संबंध में नरिदेश जारी किये गए हैं। नरिदेश में अभियान में 14 सप्ताह के लिये भाषा और गणति की गतिविधियाँ सुझाई गई हैं।
- सभी जिले एवं विकासखंड अपने-अपने स्तर पर भाषा और गणति संबंधी प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनटी (पीएलसी) के सामग्री तैयार करेंगे।
- उल्लेखनीय है कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान राज्य में शिक्षकों ने स्कूली बच्चों के अध्ययन को जारी रखने के लिये 'पढ़ाई तुंहर दुआर' के अंतर्गत नवाचार किये। दूसरे वर्ष पढ़ाई तुंहर दुआर-2.0 के अंतर्गत पढ़ना, लिखना, गणति, विज्ञान के प्रयोग एवं समूह के प्रोजेक्ट बनाने का अभ्यास करवाते हुए संकुल से लेकर जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- इन प्रतियोगिताओं में समुदाय एवं पालकों के बीच से नरिणायकों का चयन किया गया। इससे राज्य के स्कूलों में अच्छा माहौल बना, जिसे आगे जारी रखने के लिये यह कार्यक्रम लागू करने की योजना बनाई गई है।
- स्थानीय स्तर पर प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनटी (पीएलसी) के माध्यम से सप्ताहवार, विषयवार सामग्री को वसितारति कर रोचक गतिविधियों को डिजाइन कर स्थानीय स्तर पर अग्रिम रूप से स्कूलों को सोशल मीडिया के जरिये पाठ्य सामग्री प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी।
- नरिदेश में कहा गया है कि माह जनवरी 2022 का चर्चा पत्र बुनियादी साक्षरता एवं गणतीय कौशल पर आधारित है। सभी विकासखंड के लिये स्थानीय सामग्री को शिक्षकों के माध्यम से एकत्र कर सकेंगे। प्रत्येक विकासखंड में चर्चा पत्र के आधार पर एक वसितारति सामग्री एकत्र कर स्कूलों में शिक्षकों को उपलब्ध कराई जाएगी।
- प्रति सप्ताह नरिधारति बटुओं पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की नियमि मॉनिटरिंग और अकादमिक समर्थन संकुल समन्वयकों, शाला संकुल प्राचार्यों, विकासखंड-स्तरीय अधिकारियों, डाईट एवं जिला-स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से किया जाए।
- सभी स्कूलों में इन नरिधारति बटुओं में बच्चों के साथ कार्य किया जाएगा। एक दल गठित कर प्रति सप्ताह कुछ सैम्पल क्वेश्चनों में बच्चों के साथ उनकी उपलब्धि में हो रहे सुधारों की नगरानी की जाएगी। साथ ही उनकी जानकारी का गहराई से अध्ययन कर पालकों एवं समुदाय के समक्ष अपने सीखे हुए बटुओं पर समय-समय पर प्रदर्शन भी किया जाएगा।